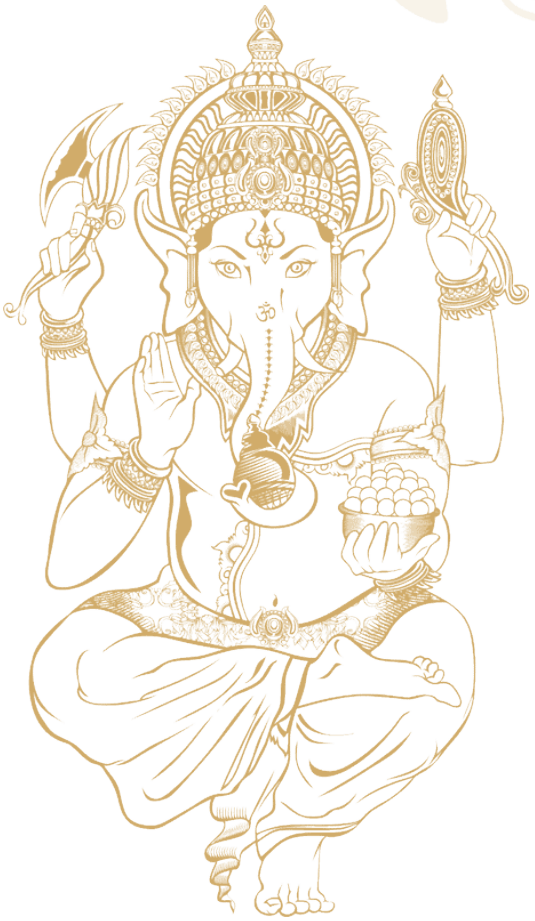

Shobha Kumari

21 Nov 1991

11:06 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121085102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/11/1991**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**23:06:00 घंटे**
इष्ट	42:19:25 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:16:00 घंटे
वेलान्तर	00:14:18 घंटे
साम्पातिक काल	03:16:52 घंटे
सूर्योदय	06:10:14 घंटे
सूर्यास्त	17:01:13 घंटे
दिनमान	10:50:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	05:09:30 वृश्चिक
लग्न के अंश	29:37:27 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	परिघ
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:37:27	318:20:17	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	05:09:30	01:00:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृष	02:09:23	14:28:42	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
मंगल		अ	वृश्चि	01:02:45	00:42:15	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	स्वराशि
बुध			वृश्चि	27:10:54	00:50:02	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	सम राशि
गुरु			सिंह	18:32:22	00:06:50	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	19:42:19	01:06:32	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	नीच राशि
शनि			मक	08:16:41	00:04:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		धनु	16:43:06	00:05:45	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	16:43:06	00:05:45	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष			धनु	17:42:28	00:02:51	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
नेप			धनु	21:05:26	00:01:43	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	26:53:19	00:02:24	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	27:53:46	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:53

लग्न-चलित

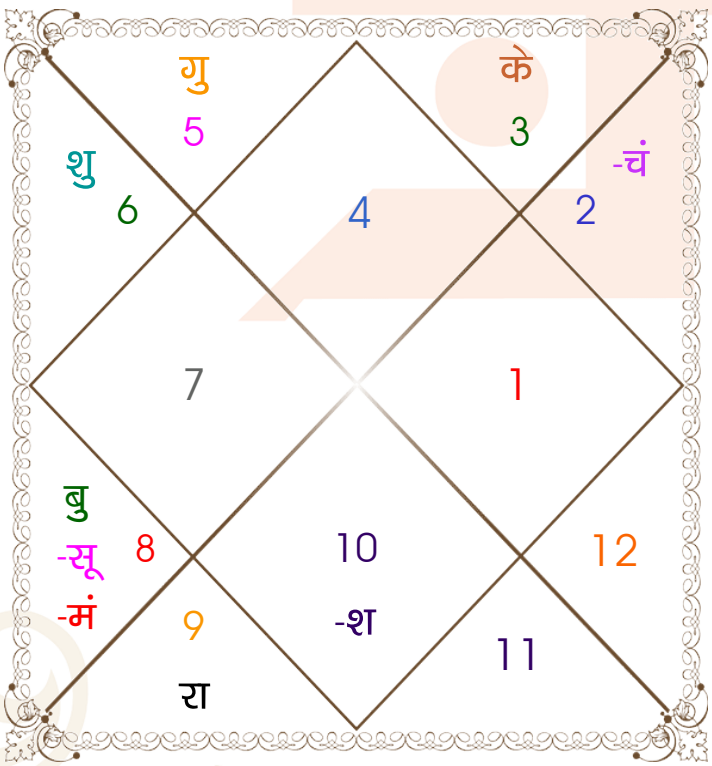

चन्द्र कुंडली

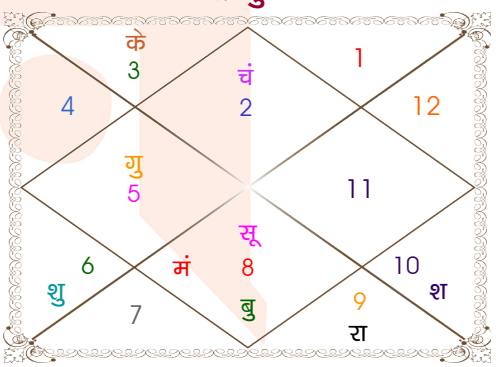

नवमांश कुंडली

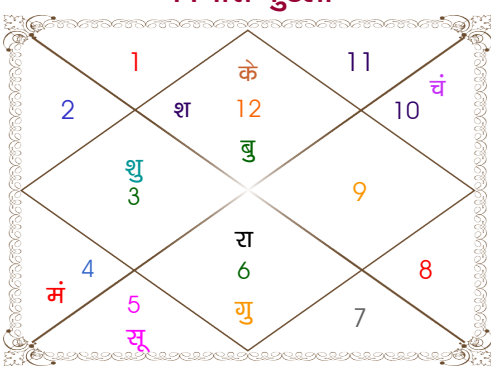

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 6 मास 10 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
21/11/1991		03/06/1995		02/06/2005		02/06/2012		02/06/2030	
03/06/1995		02/06/2005		02/06/2012		02/06/2030		02/06/2046	
	00/00/0000	चंद्र	02/04/1996	मंगल	29/10/2005	राहु	13/02/2015	गुरु	21/07/2032
	00/00/0000	मंगल	01/11/1996	राहु	17/11/2006	गुरु	09/07/2017	शनि	01/02/2035
	00/00/0000	राहु	03/05/1998	गुरु	24/10/2007	शनि	15/05/2020	बुध	09/05/2037
	21/11/1991	गुरु	02/09/1999	शनि	02/12/2008	बुध	02/12/2022	केतु	15/04/2038
गुरु	08/04/1992	शनि	02/04/2001	बुध	29/11/2009	केतु	21/12/2023	शुक्र	14/12/2040
शनि	21/03/1993	बुध	02/09/2002	केतु	27/04/2010	शुक्र	20/12/2026	सूर्य	02/10/2041
बुध	26/01/1994	केतु	03/04/2003	शुक्र	27/06/2011	सूर्य	14/11/2027	चंद्र	01/02/2043
केतु	02/06/1994	शुक्र	02/12/2004	सूर्य	02/11/2011	चंद्र	15/05/2029	मंगल	08/01/2044
शुक्र	03/06/1995	सूर्य	02/06/2005	चंद्र	02/06/2012	मंगल	02/06/2030	राहु	02/06/2046

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
02/06/2046		02/06/2065		02/06/2082		02/06/2089		03/06/2109	
02/06/2065		02/06/2082		02/06/2089		03/06/2109		00/00/0000	
शनि	05/06/2049	बुध	30/10/2067	केतु	30/10/2082	शुक्र	02/10/2092	सूर्य	21/09/2109
बुध	13/02/2052	केतु	26/10/2068	शुक्र	30/12/2083	सूर्य	02/10/2093	चंद्र	22/03/2110
केतु	24/03/2053	शुक्र	27/08/2071	सूर्य	06/05/2084	चंद्र	03/06/2095	मंगल	28/07/2110
शुक्र	24/05/2056	सूर्य	02/07/2072	चंद्र	05/12/2084	मंगल	02/08/2096	राहु	22/06/2111
सूर्य	06/05/2057	चंद्र	02/12/2073	मंगल	03/05/2085	राहु	03/08/2099	गुरु	22/11/2111
चंद्र	05/12/2058	मंगल	29/11/2074	राहु	21/05/2086	गुरु	04/04/2102		00/00/0000
मंगल	14/01/2060	राहु	17/06/2077	गुरु	27/04/2087	शनि	03/06/2105		00/00/0000
राहु	20/11/2062	गुरु	23/09/2079	शनि	05/06/2088	बुध	03/04/2108		00/00/0000
गुरु	02/06/2065	शनि	02/06/2082	बुध	02/06/2089	केतु	03/06/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 6 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।